LOK SABHA

Thursday, March 28, 1963/Chaitra 7, 1885 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUSESTION

गवर्नमेंट प्रेस, फरीदाबाद में ब्लाक बनाना

\+

*६२२. { श्री म० ला० द्विवेदी :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री स० चं० सामन्त :

क्या निर्माण, आवास तथा पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गवर्नमेंट आफ इंडिया प्रेस फरीदाबाद में स्थापित एग्रोनाइट ब्लाक बनाने का जो यंत्र लगाया गया था उसमें सूचना और प्रसारण मंत्रालय के ब्लाक बनने लगे हैं ; और

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

निर्माण, आवास तथा पुनर्वास मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री पू० शे० नास्कर) : (क) हां ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं जानना चाहता हूं कि जितने ब्लाक गवर्नमेंट आफ इंडिया के बनते हैं, और जितने भी विभिन्न विभागों द्वारा बनाये जाते हैं, वे सब के सब फरीदाबाद के संयंत्र में बनने लगे हैं या अब भी टाइम्स आफ इंडिया प्रेस और दूसरी जगहों से बनवाये जाते हैं और यदि हां तो कितनी मात्रा में ?

निर्माण, आवास तथा पुनर्वास मन्त्री (श्री मेहरचन्द खन्ना) : जहां तक हमारा ताल्लुक है, जो हमारी कैपेसिटी थी, वह पूरी युटिलाइज नहीं होती है । तीन चार महीने हुए इनफार्मेशन एंड ब्राडकास्टिंग मिनिस्ट्री से हमारी बात हुई थी और अब हमें आशा है कि काम जो है, वह सरकारी छापे-खाने में ज्यादा आना शुरू हो जायेगा । अब भी वह टाइम्स आफ इंडिया प्रेस में जाता है, इसका मैं जवाब नहीं दे सकता हूं ।

श्री म० ला० द्विवेदी : यह इक्विपमेंट जो बाहर से मंगाया गया है, इस में कुल कितना रुपया खर्चा हुआ है जो पुर्जे इजिप्ट एक्शन के वक्त, अंग्रेजों ने जब हमला बोला था, उस वक्त गायब हो गये थे, उन पुर्जों को मंगाने के लिये क्या व्यय किया गया है और कहां से वे मंगाये गये हैं या मंगाये जायेंगे ?

श्री मेहरचन्द खन्ना : इसको मैं जानता नहीं हूं । सवाल पूछा जाये तो जवाब दे दूंगा । तीन चार बरस पहले की बात नजर आती है ।

Shrimati Savitri Nigam: What is the position regarding the blocks? Are all the blocks required for the printing of Government documents produced here, prepared here in the Government Press, or are they prepared in some other press?

The Minister of Works, Housing and Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna): The position is this, that we have a large number of presses under

the Government of India, and my Ministry deals with those presses. Then there is also a department which is called Audio-Visual Publicity, in the Ministry of Information and Broadcasting. My attempt now is that all the work that can be undertaken in the Government of India presses should come to us. When we are not in a position to handle any work we can go to an outsider. That is the line on which I am working now. I have increased the capacity in my own presses, and I think we will be able to cope with the work of the Government of India except in a serious emergency, where I may have to go the outside presses.

Shri S. C. Samanta: May I know whether the full capacity of this plant is being utilised at present?

Shri Mehr Chand Khanna: Full capacity in the sense that we did not increase the capacity in our Government of India presses. I am arranging double shifts in my presses, and to that extent when the double shifts have taken place, I should have enough capacity in the Government of India presses.

Shri Inder J. Malhotra: May I know if, technically speaking, this press compares favourably with the other presses, for example, of the Times of India?

Shri Mehr Chand Khanna: It will be very difficult for me to sing my own praises, but I can certainly answer this question in this way. All our beautiful magazines like *March of India* are printed in the Government of India presses, and in the time of emergency we have delivered the goods completely; whatever order was placed upon us, whether Chinese documents or other documents, whether in our own language or other languages, we have printed them in time and made them available to Members of Parliament.

Acquisition of Land for Colonies

\+

*623. **Shri Yashpal Singh:**
Shri Bishanchander Seth:

Will the Minister of **Works, Housing and Rehabilitation** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government are considering schemes for acquisition of land in Delhi for more colonies for Government employees;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the total area of land acquired in different places in Delhi?

The Deputy Minister in the Ministry of Works, Housing and Rehabilitation (Shri P. S. Naskar): (a) Yes.

(b) and (c). Proposals are under consideration for the acquisition of about 2,220 acres of land in the following localities:—

(i) 220 acres south of Ramakrishnapuram,

(ii) 200 acres in the Masjid Moth area,

(iii) 1500 acres on the Badarpur Mehrauli Road, and

(iv) 300 acres in Shahdara.

श्री यशपाल सिंह : लो पेड सर्वेंट्स जो हैं, उनको आफिसिस के पास ही जगह दी जाये, क्या गवनमेंट के ध्यान में यह बात है ? जिन मकानात को गिरा करके नये क्वार्टर्स बनाये जा रहे थे, उन में भी सब से पहले छोटे कर्मचारियों को बसाया जाये, क्या यह भी गवनमेंट के ध्यान में है ?

निर्माण, आवास तथा पुनर्वास मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : बिल्कुल मुकम्मिल ध्यान है और उनके साथ हमारी पूरी हमदर्दी है । मेरी ख्वाहिश यही है कि जिन क्वार्टर्स को गिराऊं और नये बनाऊं उन में जो भी सरकारी कर्मचारी हैं जिस किसी भी विभाग के हैं, उनकी पहले जरूरियात पूरी कर लूं, फिर दूसरों की तरफ जाऊं ।